भगवान व्यक्ति के कर्मों से ही प्रसन्न होते है

इंदौर। भगवान व्यक्ति के कर्मो से ही पसंद होते हैं पुराणों की कथा प्रतिदिन सुनना चाहिए मन सायमित होता है, कथा सुनने से विश्वास होता है कि हमें जीवन में बुरा कर्म नहीं करना चाहिए गलत रास्ते पर नहीं जाना, वाणी मीठी होनी चाहिए, जो व्यक्ति हनुमान जी का भजन स्मरण करता है उसके सारे संकट दूर हो जाते हैं, जीवन में मनुष्य उच्च पद पर प्रतिष्ठित हो जाए तो उसे कभी अहंकार नहीं करना चाहिए,किसी व्यक्ति के सुख देखकर कभी जलना नही चाहिए, सुखी होने के लिए व्यक्ति के दुख को देखो और उनके दुख में सहभागी बनो, बिना कर्म के जीवन में कुछ नहीं मिलता सब कर्मो का ही फल मिलता है कभी किसी की निंदा और बुराई नहीं करना चाहिए जीवन में सब को आगे बढ़ाना है कार्य करो, कभी किसी को पीछे मत करो जीवन में आनंद ही आनंद करो कभी दुखी मत हो, जीवन में पुरुष कभी स्त्रियों का अपमान नहीं करें हमेशा स्त्रियों का सम्मान करें, जीवन में असत्य कभी नही बोले हमेशा सत्य ही बोले। यह बाते ब्रज रत्न वंदना श्रीजी ने रसोमा चौराहा स्थित आनंदम क्लब एंड रिसॉर्ट में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद् भागवत महापुराण कथा के छठवे दिन कही। उन्होंने कहा कि जीवन में भगवान का स्मरण करके हर कार्य की शुरआत करना चाहिए।

आयोजन प्रमुख गणेश गोयल और राज दीक्षित ने बताया कि व्यासपीठ का पूजन अर्चन और आरती विधायक रमेश मेंदोला, एमआईसी सदस्य जीतू यादव, वीरेंद्र व्यास, गणेश गोयल, पार्षद मनोज मिश्रा,राज दीक्षित,चंदू कुंजीर,बालमुकुंद सोनी, कालू गगोरे ने किया।